शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर (महाराष्ट्र) की
एम्. फिल्. (हिन्दी)
उपाधि के लिए प्रस्तुत लघु-शोध-प्रबंध

'काव्य नाट्य में भाषा सौन्दर्य'

'अंधा कुआं' और 'अंधायुग' के परिप्रेक्ष्य में

शोध-छात्रा

श्रीमती कुमुदिनी मेंडा

एम्. ए., बी.एड्.

शोध-निर्देशक

डॉ. व्यंकटेश वामन कोटबागे

एम्. ए., पीएच्. डी.

रीडर एवं अध्यक्ष, हिन्दी विभाग,

किसन वीर महाविद्यालय, वाई,

जि. सातारा. (महाराष्ट्र)

जून, 1997

Ф00-5094-ТО13167

समर्पित

मेरे पति श्री. प्रकाश मेंडा,
एवं लाड़ले 'कार्तिक' को,
जिनकी अपेक्षा, अभिलाषा, स्वीकृति और
सहयोग, के बिना यह प्रयास
असम्भव था ....

अनुशंसा

हम अनुशंसा करते हैं कि श्रीमती कुमुदिनी मेंडा का एम्·फिल्·(हिन्दी) का लघु-शोध-प्रबंध "काव्य नाट्य में भाषा सौन्दर्य 'अंधाकुआं' एवं 'अंधायुग' के परिप्रेक्ष्य में" परिक्षणार्थ प्रस्तुत किया जाए।

25/6/97

श्री·जयवन्त जाधव
हिन्दी विभागाध्यक्ष
लाल बहादुर शास्त्री महाविद्यालय,
सातारा, महाराष्ट्र

श्री·पुरुषोत्तम शेठ
प्राचार्य
लाल बहादुर शास्त्री महाविद्यालय,
सातारा, महाराष्ट्र

अध्यक्ष
हिन्दी विभाग,
शिवाजी विश्वविद्यालय,
कोल्हापुर - 416 004